www.kahaar.in

ISSN : 2394-3912
त्रैमासिक, अंकः 2(2-3), अप्रैल-सितम्बर, 2015
मूल्य : 50 रुपये

कहार

टिकाऊ विकास के ज्ञान का वाहक

(जनसामान्य के लिए बहुभाषाई पत्रिका)

KAHAAR

A carrier for knowledge of sustainable development

(A multilingual magazine for common people)

प्रकाशक

प्रोफेसर एच्. एस. श्रीवास्तव फाउंडेशन फॉर साइंस एंड सोसाइटी, लखनऊ
www.phssfoundation.org.in

पृथ्वीपुर अभ्युदय समिति, लखनऊ
www.prithvipur.org

द सोसाइटी फॉर साइंस ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबल एनवायरनमेंट, दिल्ली
www.ssceindia.org

आमंत्रण

कहार ग्रामीण लाइब्रेरी श्रृंखला, ग्रामीण शोध एवं नवाचार केन्द्र, ग्रामीण शिक्षा, नवाचार एवं कौशल विकास विद्यालयों का ज्ञान विज्ञान, संस्कृति एवं विकास अभियान - 2015 से 2025

- अपने गाँव, मोहल्ले, कस्बे में कहार ग्रामीण लाइब्रेरी चलाने के लिए सम्पादकीय पते पर हमें पत्र लिखें या ई–मेल लिखें। हम 25 पुस्तकों का पहला सेट आपको आपके पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेज देगे।
- पुस्तकें प्राप्त करने पर स्थानीय पुरूष, महिला, युवा एवं किशोर लड़के, लड़कियों एवं बच्चों को, बुजर्ग लोगों को, हर वर्ग, जाति, उम्र और विचार के लोगों को पुस्तकें पढ़ने को दें और उन्हें लाइब्रेरी सदस्य बनाएं। ऐसे सदस्यों की संख्या लगातार बढ़ती रहे।
- पुस्तकों पर एवं गाँवों के आर्थिक सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास पर कृषि, स्वच्छता, उद्योग, सेहत, पानी और पंचायत आदि विषयों पर लाइब्रेरी में कभी–कभी गोष्ठियां आयोजित करें हमसे सम्पर्क करने पर हम ऐसी गोष्ठियों के आयोजन में आपका सहयोग करेंगे।
- सफल लाइब्रेरी चलाने वाले सबसे अधिक संख्या में लोगों को पठन–पाठन से जोड़ने और सफल गोष्ठियां आयोजित करने वाली सर्वश्रेष्ठ पाँच लाइब्रेरियों को अभियान के वार्षिक सम्मेलन में पाँच हजार रूपये का प्रोत्साहन सहयोग दिया जायेगा जिसे वे अपने सदस्यों की सहमति से लाइब्रेरी के विकास के लिए अपनी इच्छा से खर्च कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त पाँच अन्य लाइब्रेरी के संचालकों को उनकी सहभागिता और जरूरत के हिसाब से रूपये 300/– प्रतिमाह वर्ष भर तक देने के लिए चुना जायेगा। यह प्रोत्साहन राशि जरूरतमंद संचालक चाहे तो, अपनी जरूरत के हिसाब से निजी जरूरत में भी खर्च कर सकता है।

अन्य योजनाएँ

- ग्रामीण शोध एवं नवाचार केन्द्रों की स्थापना, विकास एवं संयोजन।
- ग्रामीण शिक्षा नवाचार एवं कौशल विकास विद्यालयों की स्थापना एवं संचालन।
- हमारी कोशिश आपको आपस में जोड़कर, नवाचार और नई चेतना की मदद से आपके गाँव, कस्बे के समावेशी और बहुआयामी अर्थात आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आत्मिक विकास को एक उचित माहौल देने की है, जिससे देश के गाँवों का टिकाऊ और सर्वांगीण विकास हो सके। हमारा विश्वास है, कि यह संभव है। सही नेतृत्व और सही दिशा प्राप्त करने की देर है। सबसे जरूरी है, एक उद्देश्य और निश्चित दिशा तय करके हमारा आपस में जुड़ते जाना। संवेदना, सहयेाग, सरोकार, संवेग, सहकार, सम्मान और समावेश का शंखनाद ही हमारे सपनों को पंख और गति देगा। हम इस सहभागिता के लिए आपको खुले मन से आमंत्रित करते हैं।

छायांकन : राणा प्रताप सिंह

army printing press